

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, क्राइस्टोलॉजी, सत्र 10, सिस्टमैटिक्स, अवतार, यूहन्ना 1:1-18

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा क्राइस्टोलॉजी पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 10 है, सिस्टमैटिक्स, अवतार, यूहन्ना 1:1-18।

हम मसीह के सिद्धांत का अपना अध्ययन जारी रखते हैं।

उनके पूर्व-अस्तित्व को देखने के बाद, हम परमेश्वर के अनन्त पुत्र के अवतार के गौरवशाली सिद्धांत और मौलिक सिद्धांत की ओर बढ़ते हैं। अवतार से हमारा मतलब है कि अनन्त सर्वशक्तिमान परमेश्वर नासरत के यीशु में एक मानव बन गया। उसने ऐसा किसी मौजूदा मानव में निवास करके नहीं किया, बल्कि एक संपूर्ण मानव प्रकृति को अपने में समाहित करके किया।

जॉन 1:1 से 18 हमारा पाठ है, और मैं वास्तव में इसे खोलना चाहता हूँ और फिर धर्मशास्त्र को इस अंश से बाहर निकालना चाहता हूँ, जो कि मेरी समझ है कि ईसाई धर्मशास्त्र को क्या करना चाहिए। जॉन 1:1 से 18 चौथे सुसमाचार की मेरी अपनी समझ में प्रस्तावना है। मैं अध्याय 21 को उपसंहार मानता हूँ।

हर कोई मुझसे सहमत नहीं है। हर कोई इस बात से सहमत है कि यूहन्ना 1:1 से 18 तक प्रस्तावना है। इसलिए मैं एक प्रस्तावना और एक उपसंहार देखता हूँ, और फिर 119 से अध्याय 20 के अंत तक चौथे सुसमाचार का मुख्य भाग है।

मैं अध्याय 12 और 13 के बीच एक बड़ा अंतर देखता हूँ। कई कारणों से ऐसा देखना आम बात है। संकेत, सात संकेत, अध्याय 11 में लाज़र के पुनरुत्थान के साथ समाप्त होते हैं।

समय के कथनों में बदलाव है, और 12:1 में, 13 की प्रत्याशा में, मुझे खेद है, 13:1 में, स्पष्ट रूप से कहा गया है, यीशु जानता था कि इस दुनिया से पिता के पास जाने का उसका समय आ गया है। तो वहाँ, उससे पहले, यह काफी हद तक अधिक जटिल था, लेकिन उसका समय अभी तक नहीं आया था। मेरा समय अभी तक उस तरह नहीं आया है, और अब समय आ गया है।

हम वास्तव में इसे 12 के अंत और 13 की शुरुआत में देखते हैं। समय आता है। और कुल मिलाकर, यह उसके समय की बात करता है, जैसा कि मैंने अभी पढ़ा, मरने और उठने और पिता के पास चढ़ने का।

यह ज़्यादा जटिल है, लेकिन जॉन के सुसमाचार में 12 और 13 के बीच एक बड़ा अंतर देखने का यह एक और कारण है। दूसरा कारण यह है कि श्रोताओं में बदलाव होता है। यह 12 के ज़रिए दुनिया है, और जैसा कि हमने 12:36-37 में देखा, वहीं।

मैं उस सटीक स्थान को क्यों भूल जाता हूँ? हालाँकि उसने उनके सामने कई संकेत दिखाए थे, फिर भी वे उस पर विश्वास नहीं करते थे। श्लोक 37, जो 20:30, और 31 में उद्देश्य कथन से मेल खाता है। वे वहाँ दुनिया है, खासकर यहूदी नेता।

लेकिन 13:1 से श्रोता बदल जाते हैं। यीशु दुनिया के ऊपरी कमरे का दरवाज़ा बंद कर देता है और फिर अपने 12 शिष्यों को संबोधित करता है, थोड़ी देर बाद, यहूदा को छोड़कर। 13:11 के बाद शिष्यों को अंतरंग, अद्भुत शिक्षाएँ मिलीं जो उन्हें, फिर उसे, उसके क्रूस और खाली कब्र तक ले गईं।

इसलिए, मेरी रूपरेखा जॉन 1:1-18 प्रस्तावना, जॉन 1:19 अध्याय 12 के अंत तक, संकेतों की पुस्तक, इसे कहा जाता है, और फिर 13 से 20, अध्याय 13-20, महिमा की पुस्तक, और फिर अध्याय 1, उपसंहार है। प्रस्तावना उचित रूप से प्रसिद्ध है, न केवल सुंदर साहित्य के रूप में बल्कि समृद्ध, भरपूर धार्मिक साहित्य के रूप में। शुरुआत में शब्द था, और शब्द भगवान के साथ था, और शब्द भगवान था।

मैं ESV से पढ़ रहा हूँ। वह शुरू में परमेश्वर के साथ था। सारी चीज़ें उसके द्वारा बनाई गई थीं।

उसके बिना, जो कुछ भी बना है वह नहीं बना। उसमें जीवन था, और जीवन मनुष्यों की ज्योति थी। ज्योति अंधकार में चमकती है, और अंधकार ने उस पर विजय नहीं पाई है।

परमेश्वर की ओर से एक व्यक्ति भेजा गया था, जिसका नाम यूहन्ना था। वह ज्योति का साक्षी बनकर आया, ज्योति के बारे में गवाही देने के लिए, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास करें। वे यूहन्ना के द्वारा यीशु पर विश्वास करते हैं।

वह स्वयं ज्योति न था, परन्तु ज्योति की गवाही देने आया था। और सच्ची ज्योति जो सब को ज्योति देती है, जगत में आनेवाली थी। वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, तौभी जगत ने उसे नहीं जाना।

वह अपने घर आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया। परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, जो न तो लोहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं। और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया। और हम ने उस की ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा। यूहन्ना ने उसके विषय में गवाही दी और पुकारकर कहा; यह वही है, जिस के विषय में मैं ने कहा, कि जो मेरे बाद आ रहा है, वह मुझ से बढ़कर है, क्योंकि वह मुझ से पहले था। क्योंकि उस की परिपूर्णता से हम सब ने अनुग्रह पर अनुग्रह पाया।

क्योंकि व्यवस्था मूसा के द्वारा दी गई, अनुग्रह और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा आई। परमेश्वर को, जो एकमात्र परमेश्वर है, जो पिता के पास है, किसी ने कभी नहीं देखा। उसी ने उसे जाना है।

यह वाकई एक समृद्ध अंश है। सबसे पहले, मैं साहित्यिक संदर्भ को देखना चाहूँगा। यहाँ भी एक व्यतिक्रम है।

याद रखें, नियमित समानांतरता उस पैटर्न का अनुसरण करती है जहाँ ये अक्षर शब्दों और विचारों के लिए खड़े होंगे। ABC, ABC, या ABCDE, ABCDE ऐसे ही। उलटी समानांतरता या चियास्म समानांतर के दूसरे सदस्य को उलट देता है।

तो, ABC, CBA. इस मामले में, पैटर्न AB, B', A' है. A, और ये, सबसे पहले, बेटे के पदनाम हैं.

उसे तुरंत यीशु नहीं कहा गया है। उसे तुरंत मसीह नहीं कहा गया है। उसे पद 17 में यीशु मसीह कहा गया है, लेकिन पहले पैराग्राफ में नहीं।

उसे सबसे पहले शब्द, लोगो के रूप में नामित किया गया है। यूहन्ना ने इसे अपने समकालीन परिवेश से नहीं लिया। जैसा कि हम थोड़ी देर में देखेंगे, वह उत्पत्ति 1:1 पर निर्भर है। और वहाँ, प्रभु परमेश्वर ने बोलकर सृष्टि की।

यहाँ, जैसा कि हम देखेंगे, वचन को त्रिएकत्व के दूसरे व्यक्ति के रूप में व्यक्त किया गया है। लेकिन सबसे पहले, आरंभ में वचन था; वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। वह, या यह, आरंभ में परमेश्वर के साथ था।

बेटे को बेटा नहीं कहा जाता, बल्कि उसे सबसे पहले शब्द कहा जाता है। फिर उसे प्रकाश कहा जाता है। यह परमेश्वर की ओर से भेजा गया एक आदमी था, जिसका नाम जॉन था।

वह प्रकाश के बारे में गवाही देने के लिए एक गवाह के रूप में आया था ताकि सभी उसके माध्यम से विश्वास कर सकें। वह प्रकाश नहीं था, लेकिन प्रकाश की गवाही देने के लिए आया था। सच्चा प्रकाश, जो सभी को प्रकाश देता है, दुनिया में आ रहा था।

सच्चा प्रकाश परमेश्वर का पुत्र है। हालाँकि उसे पुत्र नहीं कहा जाता, उसे प्रकाश कहा जाता है। तो, यहाँ बताया गया है कि पैटर्न कैसे शुरू होता है।

ए, शब्द, पद 1. प्रकाश, कम से कम पद 7 तक। प्रकाश की कल्पना पहले इस्तेमाल की गई है, लेकिन यहाँ, यह व्यक्ति, पुत्र, दूसरा व्यक्ति है जिसे प्रकाश कहा जाता है। अब, यदि मार्ग नियमित समानांतरता का पालन करता है, तो यह इस तरह होगा। शब्द, प्रकाश, शब्द के संदर्भ में अवतार, शब्द देहधारी हुआ, फिर प्रकाश के संदर्भ में अवतार।

सच्चा प्रकाश संसार में आया, लेकिन यह क्रम उलट है। आपके पास पद 1 में वचन है, पद 7 में प्रकाश है, और आपके पास वचन के संदर्भ में अवतार नहीं है, बल्कि पद 9 में, सच्चा प्रकाश, जो सभी को प्रकाश देता है, संसार में आ रहा था। तो, ए, बी, बी प्राइम, प्रकाश, और फिर प्रकाश संसार में आ रहा है, और फिर पद 14 में ए प्राइम, शब्द देहधारी हुआ और हमारे बीच में वास किया।

तो, बड़ा पैटर्न यह है। शब्द, प्रकाश, दुनिया में प्रकाश, 9, शब्द देहधारी हुआ, 14. यह संरचना, निश्चित रूप से, अवतार के चमत्कार की ओर इशारा करती है।

यह जॉन के सुसमाचार के लिए रणनीतिक है क्योंकि यह स्पष्ट रूप से केवल यहाँ सिखाया गया है। इसके बाद कई जगहों पर इसे मान लिया गया है। यीशु ऐसी बातें कहेंगे, मैं ऊपर से आया हूँ।

या, पिता जिसने मुझे भेजा है वह सब से बड़ा है, इस तरह की बातें। वह यहाँ जो स्पष्ट रूप से कहा गया है, उसका तात्पर्य और अनुमान लगाता है। शब्द देहधारी हुआ, और सच्चा प्रकाश संसार में आया।

ये नाम, वचन और प्रकाश, क्यों? यूहन्ना के पास पुत्र की कई बड़ी तस्वीरें हैं। उनमें से एक यह है कि वह परमेश्वर का प्रकटकर्ता है। ये तस्वीरें बिल्कुल यही दिखाती हैं।

हम अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। परमेश्वर ने भी यही किया। उसका पुत्र उपदेश है, वचन है, भाषण है, कथन है।

प्रकाश प्रकाशित करता है। यह चीजों पर चमकता है। इसलिए हम देख और समझ सकते हैं।

ओह, बेटा दुनिया की रोशनी है। प्रस्तावना चौथे सुसमाचार के कई विषयों का परिचय देती है। इन विषयों को बाद में सुसमाचार में विस्तार से बताया गया है।

वचन का फिर से स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है। यह 1 यूहन्ना 1 और प्रकाशितवाक्य 19 में दिखाई देता है, जो एक ही लेखक, प्रेरित यूहन्ना द्वारा लिखे गए हैं।

लेकिन, वचन की अवधारणा चौथे सुसमाचार में हर जगह है। जैसा कि यीशु कहते हैं, जो शब्द मैं तुम्हारे पास लाता हूँ वे मेरे अपने नहीं हैं। वे शब्द पिता ने मुझे बोलने के लिए दिए हैं।

वह इसी तरह की बातें करता रहता है। अध्याय 3 में प्रकाश की कल्पना दोहराई गई है। लेकिन, सबसे व्यापक रूप से, क्षमा करें, अध्याय 9 में इसका वर्णन किया गया है। जहाँ यीशु, दुनिया का प्रकाश, जन्म से अंधे व्यक्ति पर चमकता है। और यह एक अभूतपूर्व चमत्कार करता है।

वह उसे शारीरिक दृष्टि देता है। यह अनसुना है, जैसा कि अंधा आदमी खुद कहता है। ओह, यह अंश इतना मजेदार है, यह लगभग हास्यपूर्ण है।

क्योंकि यह यहूदी नेताओं की यीशु के प्रति अज्ञानता और घृणा को दर्शाता है, और, यह एक अंधे आदमी को दिखाता है। मैं उसे एक छोटे लड़के के रूप में सोचना पसंद करता हूँ।

कौन, कोई हेलेन केलर नहीं है। कोई ब्रेल नहीं, कोई गाइड कुत्ते नहीं, ठीक है। वह बहुत कम जानता है, है न?

और, वह यीशु कौन है, इस सत्य के साथ इस्राएल के नेताओं का सामना करता है। जितना वह इसे देख सकता है। वास्तव में, अब वह देख सकता है।

हालाँकि, जब वह ठीक हुआ तो उसने यीशु को कभी नहीं देखा। बल्कि उसने विश्वास किया। वह गया और सिलोआम के कुंड में नहाया।

और देखने में सक्षम था। लेकिन फिर, वह यीशु को नहीं ढूँढ़ सका। उसे किसने पाया, यह उल्लेखनीय है।

लेकिन यीशु की कृपा इस व्यक्ति पर पड़ती है। और, उसे न केवल शारीरिक दृष्टि मिलती है। बल्कि, उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उसे आध्यात्मिक दृष्टि मिलती है।

वह देखता है। वह समझता है। और वह नेताओं के सामने गवाही देता है।

ओह, यह उल्लेखनीय है। आप इस आदमी के शिष्य हैं। हम मूसा के शिष्य हैं।

हम नहीं जानते कि यह आदमी कहाँ से है। हम जानते हैं कि मूसा कहाँ से है। आप नहीं जानते कि वह कहाँ से है? दुनिया के इतिहास में ऐसा कभी नहीं सुना गया।

कोई व्यक्ति जन्म से अंधे व्यक्ति को ठीक करता है। इस व्यक्ति ने मुझे ठीक किया। वह स्पष्ट रूप से ईश्वर की ओर से है। तुम मूर्ख हो। अरे, बेटा। उसने मूर्ख नहीं कहा। लेकिन, वह नाराज है। वह खुश नहीं है। वह यीशु का बचाव कर रहा है।

यह उल्लेखनीय है। वह अपनी पूरी पहचान, धर्म और लोगों के विरुद्ध यीशु को चुनता है। उसके माता-पिता डरे हुए हैं। वे खड़े होकर सच बोलने से डरते हैं। ओह, हम नहीं जानते। वह हमारा बेटा है।

और, वास्तव में, वह जन्म से अंधा था। लेकिन, अब वह कैसे देख सकता है, यह हम नहीं जानते। वह वयस्क हो चुका है।

खुद उससे पूछो। और, जॉन कहते हैं, वे डरते थे कि उन्हें आराधनालय से बाहर निकाल दिया जाएगा। क्योंकि फरीसियों ने पहले ही यह तय कर लिया था।

जैसे-जैसे सुसमाचार रोमन दुनिया भर में फैलता गया, वैसे-वैसे और भी औपचारिक बहिष्कार होते गए। लेकिन, पहले से ही, कुछ आराधनालय, वैसे भी, यीशु के कारण जो कुछ हो रहा था उससे बिल्कुल भी खुश नहीं थे।

पहले से ही, अपने सांसारिक मंत्रालय में, वह कैन को बढ़ा रहा था, मुसीबत पैदा कर रहा था। और मैं इसे फिर से कहूँगा। क्योंकि वह लोगों से प्यार करता था।

क्योंकि वह चाहता था कि वे प्रकाश देखें। क्षमा करें, यह उल्लेखनीय है।

अध्याय का अंत बहुत ही प्रतीकात्मकता के साथ होता है। वह कहते हैं, मैं दुनिया में इसलिए आया हूँ ताकि अंधे देख सकें। और जो देखते हैं वे अंधे हो जाएँ।

खैर, आप पहले भाग को शाब्दिक रूप से ले सकते हैं। यह अंधा आदमी अब देख सकता है। यीशु ने कुछ अन्य अंधे लोगों को भी ठीक किया।

लेकिन एक मिनट रुकिए। अंधे बार्टिमेयस का ख्याल आता है। लेकिन एक मिनट रुकिए।

उन्होंने कभी किसी को अंधा नहीं किया, है न? शारीरिक रूप से नहीं। उन्होंने ऐसा नहीं किया। नहीं।

यह कुछ ऐसा है जो पॉल बाद में करेगा। खैर, नहीं, उसने ऐसा नहीं किया।

तो, यीशु आध्यात्मिक रूप से बोल रहे हैं। जैसा कि इस सुसमाचार में अक्सर होता है, वह आध्यात्मिक वास्तविकताओं के बारे में बात करने के लिए भौतिक भाषा का उपयोग करते हैं। यह गलतफहमी के स्रोतों में से एक है जो जारी है।

इसलिए, वह कुएं पर खड़ी महिला से कहता है कि उसके पास यह जीवित जल है। वह उसकी बातें सुनती है। और, इसका मतलब है कि यह बहता हुआ पानी है।

वह बहुत उत्साहित है। आप जिस वसंत की बात कर रहे हैं वह कहाँ है? वह अनंत जीवन और पवित्र आत्मा की बात कर रहा है। यह जानना मुश्किल है कि वह कौन सी बात है।

जो भी हो, इसका तात्पर्य दूसरे से है - शायद अनन्त जीवन, या, शायद, आत्मा।

मैं सच में नहीं जानता। यह ऐसे ही चलता रहता है। यह ऐसे ही चलता रहता है।

तुम्हें फिर से जन्म लेना होगा। और, इस्राएल के महान शिक्षक ने शास्त्रों में सबसे मूर्खतापूर्ण बातें कही हैं। एक आदमी, जब वह बूढ़ा हो जाता है, तो अपनी माँ के गर्भ में वापस कैसे जा सकता है? ओह।

निकोडेमस, तुम आध्यात्मिक किंडरगार्टन में हो। तुम नहीं समझते। क्या तुम नहीं समझते, यहजेकेल 36? चलो।

37, कार्यक्रम के साथ जुड़ें। ओह, मेरा वचन। लेकिन यीशु उसके प्रति बुरा नहीं है।

लेकिन, वह उसका सामना करता है। वह उसे वह देता है जिसकी उसे ज़रूरत है, जो कि यहजेकेल 36 से पुनर्जन्म के सिद्धांत पर एक अच्छा शास्त्र पाठ है, विशेष रूप से।

वैसे भी, यीशु दुनिया की रोशनी है। वह पिता को प्रकट करने वाला है। वह वचन है।

वह जिसके माध्यम से परमेश्वर शक्तिशाली ढंग से बोलता है। निश्चित रूप से। अधिकारपूर्वक।

शास्त्रियों और फरीसियों से अलग। चौथे सुसमाचार में प्रकटकर्ता होने के साथ-साथ यीशु की एक और बड़ी तस्वीर यह है कि वह दाता है, अनंत जीवन का दाता है। मैं अपनी भेड़ों को अनंत जीवन देता हूँ, और वे कभी नाश नहीं होंगी।

जैसे पिता जीवन देता है और मरे हुएों को जिलाता है, वैसे ही पुत्र भी जिसे चाहता है उसे जीवन देता है। मैं मार्ग, सत्य और जीवन हूँ। वह हर जगह जीवन देने वाला है।

वह इसे प्रदर्शित करता है। मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ, और उसने इसे दिखाने के लिए लाज़र को मृतकों में से जीवित किया। सही? अविश्वसनीय।

और, यहाँ पहले अध्याय में ही, यीशु प्रकटकर्ता, शब्द और प्रकाश है। और, वह जीवनदाता है। ब्यूमोंट और अन्य आलोचकों ने ग्रीक तत्वमीमांसा साहित्य में 1.1.5 की पृष्ठभूमि पाई।

गलत। पृष्ठभूमि स्पष्ट रूप से उत्पत्ति 1 और 2 है। हे भगवान। और, यह पूर्व-अवतार पुत्र सभी चीजों को बनाने में पिता का एजेंट था, श्लोक तीन।

यह इस तरह की व्यापक भाषा है। सभी चीजें उसके द्वारा बनाई गई थीं। उसके बिना, जो कुछ भी बनाया गया था वह नहीं बना था।

यह व्यापक है क्योंकि यह सकारात्मकता की पुष्टि करता है और नकारात्मकता को नकारता है। उसने सब कुछ बनाया। उसके बिना कुछ भी नहीं बना।

बस यही है। उसमें जीवन था। अनंत जीवन का स्थान।

ज़ोए का प्रयोग जॉन में कई बार किया गया है। हमेशा अनन्त जीवन के लिए। अनन्त जीवन का स्थान लॉगोस में है, पूर्व-अवतार शब्द में।

और वह जीवन मनुष्यों का प्रकाश था। वचन में निहित शाश्वत जीवन जो सभी सृजित जीवन का स्रोत था, पद तीन, वह प्रकाश था, जो मनुष्यों के लिए परमेश्वर का प्रकाशन था। अर्थात् यूहन्ना 1:4 वह सिखाता है जिसे धर्मशास्त्री सामान्य प्रकाशन कहते हैं।

परमेश्वर ने अपने द्वारा बनाई गई चीजों में खुद को प्रकट किया है। यहाँ, पुत्र, तकनीकी रूप से लोगो, शब्द, ने अपने द्वारा बनाई गई चीजों में खुद को प्रकट किया है। तो, यहाँ यूहन्ना 1.4 में क्या कर रहा है। वह पूर्व-अवतार पुत्र कह रहा है, मैं उसे इस तरह संदर्भित करने से खुद को नहीं रोक सकता।

यूहन्ना में वे अक्सर इसी तरह से हैं। उन्होंने सामान्य प्रकाशन में परमेश्वर को सृष्टि में पिता के प्रतिनिधि के रूप में प्रकट किया। और यूहन्ना के सुसमाचार के बाकी हिस्सों में, वे दिखाते हैं, इसलिए हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि देहधारी शब्द परमेश्वर को अलौकिक रूप से और प्रभावशाली ढंग से प्रकट करता है ताकि उन पुरुषों और महिलाओं को बचाया जा सके जो उस पर विश्वास करते हैं।

वह पिता को प्रकट करने के योग्य है क्योंकि उसने मनुष्य बनने से पहले ही पिता को प्रकट कर दिया था, इसी तरह जीवनदाता के साथ भी। वह हर चीज़ का निर्माता था।

उसके अलावा कुछ भी नहीं बनाया गया था। ओह, एक बार फिर, मैं पूर्वसर्गों को देखता हूँ। उसके माध्यम से, हाँ, उसके माध्यम से, एजेंसी दिखाता है।

पिता प्रथम व्यक्ति है। पुत्र, जो पिता के बराबर है, दूसरा व्यक्ति है। हम समझ गए।

लेकिन, सृष्टि का कार्य पुत्र करता है। वह परमेश्वर है। मनुष्य बनने से पहले वह सृष्टि को जीवन देने वाला था।

इसलिए, हे भगवान, क्या वह उन लोगों को अनंत जीवन देने के योग्य है जो आध्यात्मिक रूप से मरे हुए हैं? क्या ईश्वर जीवन देने के योग्य है? सृष्टिकर्ता प्राणी बन गया। और, सृष्टि का जीवनदाता नई सृष्टि का जीवनदाता है, जो उस पर विश्वास करने वाले हर व्यक्ति को अनंत जीवन देता है। इस चियास्म की संरचना, शब्द, प्रकाश, दुनिया में आने वाला प्रकाश, शब्द देह बन गया, अवतार की ओर इशारा करता है, जो यूहन्ना के सुसमाचार के बाकी हिस्सों के लिए आवश्यक पूर्व शर्त, पूर्वधारणा, नींव है।

अवतार आधारभूत है। यूहन्ना प्रकाश नहीं था। श्लोक 9, सच्चा प्रकाश, जो सभी को प्रकाश देता है, दुनिया में आ रहा था।

मैं इस अनुवाद के बारे में बात करना चाहता हूँ। यह एक सटीक अनुवाद है। उदाहरण के लिए, किंग जेम्स संस्करण कहता है कि सच्चा प्रकाश हर उस व्यक्ति को प्रकाशित करता है जो दुनिया में आ रहा है।

इसका उपयोग वेस्लेयन ज्ञानमीमांसा और धर्मशास्त्र में सार्वभौमिक पूर्ववर्ती अनुग्रह के वेस्लेयन सिद्धांत को पढ़ाने के लिए किया गया है। वास्तव में, भगवान की कृपा पूर्ववर्ती है, जैसा कि सेंट ऑगस्टीन ने तर्क दिया था। अर्थात्, लोगों को उनके विश्वास से पहले भगवान की कृपा के बिना बचाया नहीं जा सकता।

लेकिन ऑगस्टीन के लिए, परमेश्वर का पूर्ववर्ती, तैयारी, प्रीवेनिंट, लैटिन प्रीवेनीटे से, अनुग्रह प्रभावशाली है, और इसलिए, यह विशेष है। हमारे वेस्लेयन भाइयों और बहनों और मसीह में दोस्तों के लिए, हम उन्हें प्राप्त करते हैं। हम कुछ बिंदुओं पर उनसे विनम्रतापूर्वक असहमत हैं।

यह एक है। बेशक, वे सार्वभौमिक पूर्वगामी अनुग्रह के अपने सिद्धांत में विश्वास कर सकते हैं, जो कि वह गोंद है जो उनकी धार्मिक प्रणाली को एक साथ रखता है। मैं इसे समझता हूँ।

यह उन्हें कार्य धर्मशास्त्र नहीं बल्कि विश्वास धर्मशास्त्र रखने में सक्षम बनाता है जो ईश्वर की इस सार्वभौमिक तैयारी अनुग्रह पर आधारित है, जो मूल पाप के प्रभावों को समाप्त करता है। विशेष रूप से, इस क्षेत्र में, यह सभी को विश्वास करने की क्षमता देता है। इसलिए, कैल्विनिस्ट धर्मशास्त्र

की पुस्तकें अक्षमता के बारे में बात करती हैं, और कुछ वेस्लेयन धर्मशास्त्र की पुस्तकें, कुछ आर्मिनियन धर्मशास्त्र की पुस्तकें, और वेस्लेयन अनुनय विशेष रूप से अनुग्रहपूर्ण क्षमता के बारे में बात करते हैं।

खैर, अन्य अंश भी यही सिखा सकते हैं। कृपया मैं कहता हूँ, मुझे ऐसा नहीं लगता। लेकिन यह ऐसा नहीं है, क्योंकि इसका अनुवाद यह नहीं होना चाहिए कि सच्चा प्रकाश सभी को प्रकाश देता है क्योंकि हर कोई दुनिया में आ रहा था।

बल्कि, यह एक परिधीय निर्माण है, और NASB, NIV और ESV ने इसे सही बताया है। यानी, मूल विचार यह है। सच्चा प्रकाश दुनिया में आ रहा था।

यह अवतार का कथन है। प्रकाश की कल्पना के तहत, दुनिया को अंधकारमय रूप में चित्रित किया गया है। और जॉन के शब्दों में, इसका अर्थ है ईश्वर के बारे में अनभिज्ञ।

इसका मतलब है ईश्वर से नफरत करना। इसका मतलब है ईश्वर का विरोध करना। इसका मतलब है पापी।

क्या मैं दोहरा अर्थ सुझा रहा हूँ? मैं बिल्कुल वही बात सुझा रहा हूँ। यह अज्ञानता और पाप दोनों की बात करता है। लेकिन सच्चा प्रकाश संसार में आ रहा था।

यह सही अनुवाद है क्योंकि तब, श्लोक 10 में, यह कहा गया है कि वह दुनिया में था। यदि आप इस तरह से अनुवाद करते हैं, तो सच्चा प्रकाश हर आदमी को प्रकाशित करता है क्योंकि हर आदमी दुनिया में आ रहा है। उस श्लोक में आपके पास अवतार नहीं है।

लेकिन आपको श्लोक 10 में इसके परिणाम मिलते हैं। तो, तार्किक रूप से, यह इस तरह काम करता है। सच्चा प्रकाश दुनिया में आ रहा था।

वह संसार में था, और संसार उसके द्वारा बना, इत्यादि। क्या आप मेरे साथ हैं? लेकिन फिर इसका क्या अर्थ है, सच्चा प्रकाश, जो सभी को प्रकाश देता है? हालाँकि दार्शनिकों, जिनमें कैल्विनिस्ट भी शामिल हैं, ने इसे जस्टिन के लोगोस स्पर्मेटिकोस जैसे कुछ के प्रमाण पाठ के रूप में इस्तेमाल किया है, भगवान सभी को तर्कसंगतता देते हैं, और मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि भगवान ऐसा करते हैं, लेकिन यह उस बारे में बात नहीं कर रहा है। बल्कि, यह अवतार शब्द के बारे में बात कर रहा है।

नहीं, बल्कि, अवतार प्रकाश। हम यहाँ रूपकों को मिला रहे हैं। दुनिया में प्रकाश हर उस व्यक्ति पर चमकता था जो उसके संपर्क में आता था।

मैं इसे सिर्फ एक ऐतिहासिक कथन के रूप में लेता हूँ। सच्ची रोशनी उन सभी को रोशनी देती है जिन्होंने चिन्हों को देखा और शब्दों को सुना। अध्याय 7, मंदिर पुलिस को झोपड़ियों के पर्व पर यीशु को बचाने के लिए भेजा जाता है।

मंदिर की पुलिस खाली हाथ लौट आती है। यहूदी नेता बिलकुल भी खुश नहीं हैं। तुम्हें क्या परेशानी है? हमने तुम्हें सिर्फ इस आदमी को गिरफ्तार करने के लिए भेजा था।

क्या हो रहा है? किसी भी व्यक्ति ने कभी इस तरह से बात नहीं की जिस तरह से यह व्यक्ति बात कर रहा है। इसका मतलब यह है कि वह प्रकाश है। वह स्वयं ईश्वर से रहस्योद्घाटन लाता है।

वे ऐसा नहीं कहते, लेकिन इसका मतलब यह है कि ऐसा करके हम परमेश्वर का विरोध करेंगे। वह शब्द है। वह वाणी है, परमेश्वर का प्रत्यक्षकर्ता है।

हां, प्रस्तावना की संरचना अवतार की ओर इशारा करती है जब यह कहती है कि सच्चा प्रकाश दुनिया में आ रहा था, और निश्चित रूप से, श्लोक 14 में, अद्भुत शिक्षा, शब्द देह बन गया। ओह, अपोलिनरियस गलत है, और अपोलिनेरियनवाद गलत है। शाब्दिक अर्थ में कहें और कहें कि इसका अर्थ देह है न कि आत्मा, नहीं।

यह बाइबिल की भाषा है, मानवत्व के लिए मांस, मानवता। यानी, अगर आप शरीर और आत्मा दोनों में मानव के मनोविज्ञान पर जोर देना चाहते हैं। दूसरे शब्दों में, शब्द मांस और रक्त वाले मानव बन गए, सभी मामलों में हमारे जैसे, जैसा कि पंथ कहते हैं, पाप से अलग।

पाप मानवता का अभिन्न अंग नहीं है। यह एक विचलन है। यह एक विकृति है।

यह एक ऐसी बीमारी है जिसे परमेश्वर मृतकों के पुनरुत्थान में ठीक कर देगा, और अपने लोगों के पुनर्जन्म में आंशिक रूप से ठीक कर चुका है। शब्द देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा, और हमने उसकी महिमा देखी है। महिमा पिता के इकलौते पुत्र की है, जो अनुग्रह और सच्चाई से भरा हुआ है।

इन दोनों कथनों में, सच्चा प्रकाश दुनिया में आ रहा था, शब्द देहधारी हुआ, और हमारे पास परमेश्वर के अनन्त पुत्र के अवतार की शिक्षा है। इस बारे में कोई गलती न करें: यूहन्ना 1 की पृष्ठभूमि उत्पत्ति 1 है। शुरुआत में बाइबल में पहली आयत की ओर यूहन्ना का संकेत है। शुरुआत में, सेप्टुआजेंट, पुराने नियम का यूनानी अनुवाद, यह वही NRK है, वही शब्द हैं।

यहाँ शब्द समानांतर है, और भगवान ने कहा, प्रकाश हो, और प्रकाश हुआ, और भगवान ने कहा, और भगवान ने कहा। यहाँ, भगवान का बोलना, और स्वयं बोलने वाला भगवान, मानवीकृत है। वह शब्द है, भगवान का प्रकटकर्ता, पहले से ही सृष्टि में है, जब वह देहधारी होता है तो उसे छोड़ दें।

उत्पत्ति 1 में प्रकाश और अंधकार का शाब्दिक रूप से उपयोग किया गया है। यहाँ, रूपकात्मक रूप से, मसीह द्वारा सृष्टि में लाए गए रहस्योद्घाटन और अंधकार, परमेश्वर के विरोध का वर्णन किया गया है। ESV ने इसे सही कहा है। प्रकाश अंधकार में चमकता है, और अंधकार ने इसे जीत नहीं पाया है।

इसे नहीं समझा? हाँ, इसे नहीं समझा। लेकिन यूहन्ना के सुसमाचार में, अंधकार प्रकाश को समझने की कोशिश नहीं करता। अंधकार प्रकाश से घृणा करता है।

यह प्रकाश को बुझाना चाहता है, जैसा कि अध्याय 3 में प्रकाश और अंधकार के विषयों की व्याख्या से पता चलता है। सृष्टि, हे भगवान। उत्पत्ति 1 का विषय सृष्टि है।

यहाँ विषय यह है कि, कम से कम शुरू में, सभी चीजें उसके द्वारा बनाई गई थीं। उसके बिना कुछ भी नहीं बनाया जा सकता था। वह बनाया गया था।

मैं समझता हूँ कि मैं मानक यूबीएस ग्रीक न्यू टेस्टामेंट में विराम चिह्नों के विरुद्ध जा रहा हूँ, लेकिन ऐसा ही हो। इसका कोई मतलब होना चाहिए, और मुझे नहीं लगता कि उनके विराम चिह्न वास्तव में कोई मतलब रखते हैं। धार्मिक शिक्षाएँ।

जैसा कि हमने पहले कहा है, सूर्य का अस्तित्व हर जगह है। वह सृष्टि में पिता का प्रतिनिधि है। वह दुनिया में आने वाला प्रकाश है।

वह लोगो है जो देहधारी हो रहा है, और वह वही है जिसके बारे में यूहन्ना कहता है, जो मुझसे पहले था, उसका मतलब जन्म और मानव युग में है। इस तथ्य को न भूलें, यह हमारा वर्तमान बिंदु है, कि चौथे सुसमाचार के संदेश के लिए रणनीतिक तरीके से इस मार्ग में अवतार पर जोर दिया गया है। इसे दोहराया नहीं गया है, बल्कि इसे हमेशा के लिए मान लिया गया है।

और यहीं पर महत्वपूर्ण आधार है। सच्चा प्रकाश संसार में आया। शब्द मांस और रक्त का मनुष्य बन गया।

श्लोक 9 और 14. इसी वजह से, यह अंश मसीह की मानवता की शिक्षा देता है। हम इसे 14 में देखते हैं।

यह शब्द सारक्स, मांस बन गया। यह एक सांसारिक शब्द है। ग्रीक तत्वमीमांसा और ग्रीक दर्शन के लिए, यह असंभव है।

नहीं। आप ईश्वर को गंदे शरीर से नहीं जोड़ सकते। इसलिए बाद में, हम कुंवारी गर्भाधान के बारे में विचार देखेंगे जो मरियम के गर्भ से वचन को अलग करने की कोशिश करते हैं।

वे इस संक्रमण के होने की बात करते हैं, लेकिन किसी संदूषण की बात नहीं करते। क्योंकि गर्भ गंदा है, और मांस गंदा है, सेक्स गंदा है, और मानव शरीर यूनानियों के लिए गंदा है। यह निश्चित रूप से दो दिशाओं में गया।

हल्का जंगली लाइसेंस, या ऐसी गंदी चीजों से पूरी तरह परहेज। बाइबल इसके बारे में कुछ नहीं जानती। भगवान सृष्टिकर्ता हैं।

शरीर उसकी रचना है। सेक्स उसकी रचना है जिसका उपयोग उसी तरह किया जाना चाहिए जैसा उसने तय किया है। और गर्भ, भगवान का शुक्र है, वह जगह है जहाँ हम गर्भ धारण करते हैं।

और परमेश्वर का सनातन पुत्र एक स्त्री के गर्भ में गर्भ धारण किया गया। इस प्रकार, यदि कुछ भी हो, तो नारीत्व को पवित्र करना और गर्भ धारण करना। उसकी मानवता की पुष्टि श्लोक 14 और 15 में भी की गई है, जब यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहता है कि यीशु उसके बाद आया।

जैसा कि हमने कहा, उसका मतलब है, समय, जन्म और सेवा में। यह एक आदमी है। ओह, शिष्य जानते थे कि वह एक आदमी था।

हे भगवान। और इसलिए, पहली बात जो उन्होंने कही, वह यह थी कि भगवान हमारे साथ कैसे हो सकते हैं? उन्होंने ऐसा नहीं कहा। वास्तव में, पुनरुत्थान के बाद ही उन्हें वास्तव में समझ में आया।

सबसे पहले उन्होंने कुछ इस तरह की बातें कहीं। यह कैसा मनुष्य है? हवाएँ और लहरें उसकी आज्ञा मानती हैं। यह कौन व्यक्ति है, यह मानव व्यक्ति, जो हमें इतने अधिकार से सिखाता है कि दुष्टात्माएँ उसकी आज्ञा मानती हैं? लेकिन जॉन ने सबसे जोरदार तरीके से और बार-बार सिखाया, जब उसने ईश्वर के पुत्र के ईश्वरत्व से पहले और बाद में अवतार के बारे में सिखाया।

ओह, मेरे शब्द। यह अवतार के लिए हमारा मुख्य मार्ग है, मसीह के देवता के लिए नहीं। यह इब्रानियों 1 होगा, जिसमें देवता के सभी पाँच ऐतिहासिक प्रमाण मौजूद हैं।

मुझे जो एकमात्र अंश पता है, वह बिल्कुल ऐसा ही है। लेकिन यह एक भरा हुआ है। वास्तव में, यूहन्ना का सुसमाचार अध्याय 1 अध्याय मसीह के ईश्वरत्व से भरा हुआ है।

शब्द था ईश्वर। अध्याय 1, श्लोक 1, अध्याय 1:1। यह "ईश्वर" होना चाहिए, है न? गलत।

खैर, क्या इसे "ईश्वर" नहीं होना चाहिए? क्या यह ईश्वर के लिए ग्रीक शब्द नहीं है? थियोस, बिना लेख के? हाँ। खैर, आप इसे "ईश्वर" क्यों अनुवाद करते हैं? खैर, यही तो यहोवा के साक्षी न्यू वर्ल्ड का गलत अनुवाद है, है न? सही? क्या वे सटीक नहीं हैं? नहीं। वे ईश्वर के पुत्र के खिलाफ इतने पक्षपाती हैं कि वे असंगत रूप से थाओस का अनुवाद लेख के बिना करते हैं।

इस अध्याय में, श्लोक 6 में, एक व्यक्ति को "ईश्वर" की ओर से भेजा गया था, है न? यह वही शब्द है, ईश्वर, बिना लेख के। एक बार मेरे साथ ऐसा ही एक व्यक्ति बात करने की कोशिश कर रहा था। मैंने यहोवा के साक्षी धर्मशास्त्र का कोर्स किया था, और मैं उनकी हर बात का जवाब दे सकता था, और वे मुझे जवाब नहीं दे सकते थे, और वह व्यक्ति हमेशा वापस जाकर मुख्यालय में किसी से बात करने वाला था।

लड़के, इसने मुझे अंधकार की शक्ति दिखाई। जब मैंने उसे दिखाया तो यह बिना लेख के वही शब्द था। बेशक, ग्रीक अंत अलग-अलग होते हैं जो इस बात पर निर्भर करता है कि दूसरे शब्दों के साथ उनका क्या संबंध है।

और उसने मुझ पर विश्वास नहीं किया। यानी, उसे ग्रीक भाषा का बिलकुल भी ज्ञान नहीं था। मैं जापानी भाषा जानने का दिखावा नहीं करता, इसलिए मैं यह नहीं कहता कि मुझे आती है।

मुझे नहीं पता। ओह, मेरे शब्द। और अध्याय, श्लोक 12 के बारे में क्या? जिन लोगों ने उसे स्वीकार किया और उसके नाम पर विश्वास किया, उन्हें उसने ईश्वर की संतान बनने का अधिकार दिया, है न? नहीं, वे इस तरह से अनुवाद नहीं करते।

जाहिर है, वहाँ भगवान है। जाहिर है, यह श्लोक 6 में भगवान है। जाहिर है, जो कोई भी अति पक्षपाती नहीं है, उसके लिए यह श्लोक 1 में भगवान है। और वास्तव में, शब्द की स्थिति के कारण यह जोरदार ढंग से ऐसा है। यह उस जोरदार में है... मैंने बस गलत बोला।

माफ़ करें। यह एक जोरदार प्रथम स्थान हो सकता है। यह जोरदार अंतिम स्थान पर नहीं है।

मैं गलत हूँ। और वह शब्द था ईश्वर। यह बिलकुल शुरुआत से पहले मसीह के ईश्वरत्व की स्पष्ट, सीधी पुष्टि थी।

वास्तव में, उससे भी पहले। उत्पत्ति 1:1। आरंभ में, परमेश्वर था, है न? यूहन्ना 1:1। आरंभ में वचन था। एक मिनट रुकिए।

आप बाइबल की पहली आयत में परमेश्वर के एलोहिम के स्थान पर उस शब्द, उस लॉगोस को रख रहे हैं। बेहतर होगा कि आप सावधान रहें। खैर, वह सावधान रह रहा है।

और जो कुछ वह वहाँ मानता है, वह दो खंडों के बाद स्पष्ट रूप से कहता है। शब्द ईश्वर था। ध्यान दें कि शब्द ईश्वर के साथ था।

यहाँ क्या हो रहा है? वह भाषा एक व्यक्ति की उपस्थिति में दूसरे व्यक्ति की बात करती है। यहाँ द्विआधारी धर्मशास्त्र की मूल बातें हैं। मुझे लगता है कि मैंने पहले के एक व्याख्यान में कहा था कि जॉन परंपरागत रूप से, हमेशा नहीं, पूरी तरह से सुसंगत रूप से नहीं, लेकिन ऐतिहासिक रूप से मुक्तिदायक रूप से आत्मा को पेंटेकोस्ट के बाद के रूप में देखता है।

इसलिए आमतौर पर, हम जॉन से द्वित्ववाद प्राप्त करते हैं, और फिर हम विदाई प्रवचनों में जो कुछ भी कहते हैं और निश्चित रूप से, अन्य स्थानों पर, विशेष रूप से पॉल द्वारा कही गई बातों के आधार पर त्रित्ववाद का अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं। पुत्र ईश्वर है। उसमें अनंत जीवन था।

क्या कुछ स्वर्गदूतों में अनन्त जीवन था? मुझे ऐसा नहीं लगता। क्या कुछ स्वर्गदूत सृष्टिकर्ता थे, श्लोक 3? नहीं। स्वर्गदूत परमेश्वर की रचनाएँ हैं।

ओह, बेटा, शाश्वत बेटा, अवतार में एक प्राणी बन जाता है, लेकिन हम अभी इसके बारे में बात भी नहीं कर रहे हैं। वह सृष्टिकर्ता प्राणी, ईश्वर-मनुष्य बन जाता है। लेकिन श्लोक 3 और 4 दिखाते हैं कि वह सब कुछ बनाने में पिता का एजेंट है जो बनाया गया था।

वह ईश्वर के घेरे में है, सृष्टि के घेरे में नहीं। उसमें जीवन था और इसी तरह की अन्य चीजें भी थीं। श्लोक 10: वह संसार में था और संसार उसके द्वारा बना। यहीं पर फिर से सृष्टि हुई।

उस अस्वीकृति का भार समझिए। वह संसार में था क्योंकि पिछली आयत में कहा गया था कि सच्चा प्रकाश संसार में आ रहा था, और संसार उसके द्वारा बना था, और संसार ने उसे नहीं जाना। हमारे पास परमेश्वर के दाहिने हाथ पर एक महान महायाजक है जो अस्वीकृति को इस तरह समझता है जिस तरह से ब्रह्मांड में कोई अन्य प्राणी इसे नहीं समझ सकता।

सृष्टिकर्ता ने खुद को वाचा के लोगों के सामने पेश करने के लिए एक प्राणी का रूप धारण किया, और उन्होंने उसके चेहरे पर थूका, उसे पीटा, और उसे मरने के लिए क्रूस पर लटका दिया। ऐसा कोई अस्वीकार नहीं है। प्राणियों ने अपने सृष्टिकर्ता को क्रूस पर चढ़ाया।

मोल्टमैन की तरह बात नहीं करना चाहता। भगवान नहीं मरे। स्वर्ग में भगवान मर नहीं सकते।

परमेश्वर मनुष्य बन गया ताकि वह मर सके। परमेश्वर मर नहीं सकता, लेकिन रहस्यमय तरीके से, जो मरा वह परमेश्वर था। अर्थात्, अवतार का रहस्य क्रूस को अपना रहस्य प्रदान करता है।

मैं आपको मसीह के उद्धार कार्य पर अपने 20 घंटे के व्याख्यानों का संदर्भ देता हूँ, जो biblicalelearning.org का भी हिस्सा हैं। बार-बार, इस मार्ग में पुत्र को परमेश्वर के रूप में चित्रित किया गया है। वैसे, इस भाषा का अनुवाद कैसे किया जाए, यह यूहन्ना स्वयं हमें बताता है। पद 11: वह अपने आप आया, और उसके अपने लोगों ने उसे स्वीकार नहीं किया।

अध्याय 19 में, मैं वहाँ नहीं जाऊँगा। क्रूस से यीशु ने यूहन्ना से कहा कि अपनी माँ को देखो और उसकी माँ से विवाह करो। क्रूस पर मरते हुए यीशु ने अपने माता-पिता का सम्मान करने की आज्ञा को पूरा किया; संभवतः, यूसुफ ने यह कहते हुए मृत्यु को प्राप्त किया होगा कि हे स्त्री, देख तेरा पुत्र है।

फिर यह कहता है कि उस दिन से, वह, जॉन, उसे अपने घर ले गया। वे इस तरह से अनुवाद नहीं करते हैं। वे कहते हैं कि उसके घर में।

बिल्कुल यही अभिव्यक्ति यहाँ भी है। वह संसार में था, और संसार उसके द्वारा बना, फिर भी संसार ने उसे नहीं जाना। वह अपने घर में आया क्योंकि उसने उसे बनाया था।

बढ़ई ने बढ़ई बनने से पहले ही दुनिया बना ली थी, और उसके अपने लोगों ने उसे स्वीकार नहीं किया। यह अनुवाद करने का एक अच्छा तरीका है। बेशक, उसके अपने लोग यहूदी हैं, जो वाचा के लोग हैं।

दुनिया उसकी अपनी कृति है। यह उसका अपना घर है और फिर भी वह अपने वाचा के लोगों के आकलन में वहाँ नहीं है। ओह, कितना दुखद है।

इस्राएल कितना जिद्दी और कितना हठी है, और हम सभी परमेश्वर के अनुग्रह से अलग हैं। उन सभी के लिए जो उसे स्वीकार करते हैं, जिसे उसके नाम पर विश्वास करना कहा जाता है। मसीह को स्वीकार करने का मतलब मसीह में विश्वास करने के अलावा और कुछ नहीं है।

मैंने एक बार एक छोटा सा कोर्स किया था जिसमें इस बात पर ज़ोर दिया गया था कि जॉन चौथे सुसमाचार में किस तरह से विश्वास व्यक्त करता है। उस पर विश्वास करने, उसके नाम पर विश्वास करने, उसे प्राप्त करने, उसमें बने रहने के आधा दर्जन तरीके, मैं उन सभी को भूल गया हूँ। उन सभी का मतलब एक ही बात है।

उसे उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में भरोसा करना। जो लोग उसके नाम पर विश्वास करते हैं, उन्हें उसने परमेश्वर की संतान बनने का अधिकार दिया है। केवल परमेश्वर ही ऐसा करता है।

आप कहते हैं, क्या जॉन ने अपने सर्वनामों को मिला दिया? मुझे ऐसा नहीं लगता। हालाँकि 1 जॉन कभी-कभी ऐसा लगता है। मैं कभी भी पवित्र शास्त्र के खिलाफ नहीं बोलता।

मैं बस इतना ही कह रहा हूँ। कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता है कि 1 यूहन्ना पिता की बात कर रहा है या पुत्र की। मैं इसे यहीं छोड़ता हूँ।

यहाँ, पुत्र ही गोद लेने वाला है। पवित्रशास्त्र में हर जगह, पिता गोद लेता है। यहाँ पुत्र परमेश्वर की संतान बनने का अधिकार देता है।

पिता से एकलौते पुत्र की महिमा अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण है।

अनुग्रह और सत्य ईश्वरीय गुण हैं, ठीक वैसे ही जैसे महिमा है। जॉन देहधारी के ईश्वरत्व की पुष्टि कर रहा है। ओह, वह मनुष्य बन गया।

वह देहधारी हुआ और हमारे बीच में 33 वर्ष तक रहा। परन्तु हम ने उसे देखा; प्रेरित गवाह के रूप में बोल रहे हैं; और हम ने उसकी महिमा देखी।

हमने उनके संकेतों में ईश्वर की महिमा देखी। अध्याय 2 में पहले ही यह कहा गया है। अध्याय 11 में, यदि आप विश्वास करते, तो क्या मैंने आपको नहीं बताया था? क्या वह ईश्वर की महिमा है? बेचारी मरियम और मार्था।

भगवान, उसके शरीर से बदबू आने वाली है। मुझे यह संयोजन बहुत पसंद है। उसके शरीर से बदबू आने वाली है।

परमेश्वर, यूहन्ना, यूहन्ना के माध्यम से प्रभु, मानव मृत्यु की दुर्गन्ध को निकटता में लाता है। कम से कम ऐसा ही होना चाहिए था, है न? यीशु के व्यक्तित्व और सेवकाई में परमेश्वर की महिमा प्रकट हुई। अपने मित्र लाजर को मृतकों में से जीवित करना।

बेटे में ईश्वर के गुण हैं। और इसीलिए वह है, इसीलिए वह यूहन्ना से श्रेष्ठ है, श्लोक 15 क्योंकि वह मुझसे पहले था, यूहन्ना कहता है। केवल ईश्वर ही पहले से मौजूद था।

केवल परमेश्वर पुत्र ही पहले से विद्यमान था। वह परमेश्वर है। क्योंकि उसकी परिपूर्णता से, देहधारी पुत्र की परिपूर्णता से, हम सभी को अनुग्रह पर अनुग्रह प्राप्त हुआ है।

एक भावना है कि हम एक दूसरे को अनुग्रह दे सकते हैं, लेकिन यह भावना नहीं। यह बचाने वाला अनुग्रह है। पुत्र के अवतार में निवास करने वाले देवता की पूर्णता से, मनुष्य अनुग्रह के ऊपर अनुग्रह प्राप्त करते हैं, अनुग्रह के ऊपर अनुग्रह।

मैं आज यह लिखते हुए सोच रहा था कि प्रभु यीशु मसीह मेरे प्रति कितने धैर्यवान हैं। वे मुझे बार-बार क्षमा करते हैं। मुझसे प्रेम करते हैं, मुझे कोमलता से सुधारते हैं।

प्रभु हमें दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करने में मदद करें जैसा वह हमारे साथ करता है। व्यवस्था मूसा के द्वारा दी गई थी। अनुग्रह और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा आई।

दुर्भाग्य से, इस श्लोक को बहुत गलत समझा गया है। जॉन, यह एक तरह से समझने योग्य है। जॉन की शैली की एक खासियत यह है कि वह एक स्पष्ट विरोधाभास, एक पूर्ण विरोधाभास प्रस्तुत करता है जो वास्तव में पूर्ण नहीं है।

इसलिए, अध्याय 16 में, दो बार यीशु कहते हैं, अगर मैंने तुम्हारे बीच वो काम नहीं किए होते जो किसी और ने नहीं किए, तो तुम पाप के दोषी नहीं होते। अगर मैंने वो शब्द नहीं कहे होते जो किसी और ने नहीं कहे, तो तुम पाप के दोषी नहीं होते। मुझे वास्तव में यकीन नहीं है कि यह 14 है या 15 या 16।

मुझे खेद है। मैंने इसे खो दिया। यह विदाई प्रवचन में है।

मैं सकारात्मक हूँ। यह कोई शाब्दिक कथन नहीं है। यीशु मूल पाप से इनकार नहीं कर रहे हैं।

वह यह नहीं कह रहा है कि ये लोग निर्दोष थे। बल्कि, यह उसका अतिशयोक्तिपूर्ण बयान है। पवित्र अतिशयोक्ति या अतिशयोक्ति।

इसके लिए एक तकनीकी शब्द है। शायद यह मुझे समझ में आ जाए। इसका मतलब यह नहीं है कि उनमें कोई पाप नहीं था।

इसका मतलब यह है कि आपके पिछले पाप की तुलना में, जो बहुत बड़ा था, आपका अब का पाप असाध्य होगा। इसका मतलब कुछ ऐसा ही है क्योंकि अधिक रहस्योद्घाटन के लिए अधिक विश्वास की आवश्यकता होती है।

और बड़े रहस्योद्घाटन ने बड़े न्याय को ठुकरा दिया। अगर मैंने कर्म और वचन नहीं किए होते, तो मैं तुम्हारे बीच उन बातों को जोड़ता जो किसी और ने नहीं कीं; तुम उस तरह पाप नहीं करते जैसे तुम अब कर रहे हो। यहाँ इसका अर्थ है।

हे कपटी शास्त्रियो और फरीसियो, तुम पर हाय! मैं ने जो चिन्ह तुम्हारे साम्हने किए, उसी के अनुसार यीशु ने लाजर को मरे हुआँ में से जिलाया।

निश्चित रूप से, वे विश्वास करेंगे। गलत। यह अध्याय 11 है।

अध्याय 12 में, उन्होंने लाजरस के लिए मौत का वारंट जारी कर दिया। क्या तुम मजाक कर रहे हो? वह एक चलता-फिरता सबूत वाला क्षमाप्रार्थी है। उन्हें उसे मारना ही था।

वे तब तक सफल नहीं होते जब तक आपको बताया न जाए कि वे सफल होते हैं। अच्छाई। ऐसा कुछ भी नहीं है जो वह कह या कर सके जिससे वे विश्वास कर सकें।

यह सच है। यह सच है। कितना दुखद है।

यह मानवजाति पर कितना बड़ा अभियोग है। मैं इसे फिर से कहूँगा। पाप के बारे में जॉन का सिद्धांत काफी हद तक अविश्वास पर आधारित है।

हम अभी भी प्रस्तावना में अवतार की खोज कर रहे हैं, और हम इसके साथ बताए गए अद्भुत उप-सिद्धांतों को दिखा रहे हैं। पूर्व-अस्तित्व, मसीह का ईश्वरत्व, मसीह की मानवता। ईश्वरत्व को बार-बार दिखाया गया है।

श्लोक 18, परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा। एकमात्र परमेश्वर जो पिता के पास है। उसने उसे जाना है।

यह बेटे को, जैसा कि चर्च के एक पादरी ने कहा था, दूसरा ईश्वर कहता है। उसे ईश्वर के बराबर बनाता है। यह एक है, और हमें उस शब्दावली का उपयोग नहीं करना चाहिए, लेकिन बेचारा पिता यह बताने के लिए भाषा की तलाश कर रहा था कि यह भी ईश्वर है।

बेशक, यह एकेश्वरवाद को खतरा नहीं है। बाइबिल के अनुसार यह असंभव है। जॉन 1:1 और 1:18, वास्तव में, बुकएंड का एक बड़ा रूप बनाते हैं।

जॉन ने प्रस्तावना की शुरुआत और अंत में कहा कि शब्द ईश्वर था और पिता के पास मौजूद एकमात्र ईश्वर ने उसे प्रकट किया है। हम इसे अनदेखा नहीं कर सकते। पूर्व-अवतार वाला पुत्र ईश्वर है।

देहधारी पुत्र ईश्वर है। यह एक समृद्ध अंश है। अभी हमारा मुद्दा ईश्वर के पुत्र के देहधारण का है, और हम जो कह रहे हैं वह इससे कम नहीं है।

शाश्वत सर्वशक्तिमान सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान देवता एक शिशु बन गए। मैं वर्षों से अपने विद्यार्थियों को क्रिसमस के समय प्रोत्साहित करना पसंद करता हूँ कि वे अपनी माँ की अनुमति से अपने चर्च में सबसे छोटे शिशु के जितना संभव हो सके उतना करीब जाएँ। शायद वे आपको अपनी उंगली से एक छोटा हाथ या एक छोटा पैर छूने दें।

शायद वे आपको बच्चे को अपनी छोटी उंगली पकड़ने देंगे, जैसे वे अपने छोटे हाथों से ऐसा करते हैं, है न? किसी भी मामले में, बच्चे अद्भुत होते हैं। मुझे बच्चे बहुत पसंद हैं और बच्चे इंसानों को ऊर, उल्लू, कूअर और इस तरह की दूसरी चीजें बना देते हैं। यह बहुत बढ़िया है, लेकिन क्या आप कभी उस बच्चे की पूजा करने के बारे में सोचेंगे? बिल्कुल नहीं।

यह बेतुका है। लेकिन चरवाहों ने बच्चे की पूजा की और बाद में बुद्धिमान लोगों ने भी। वे वाकई बुद्धिमान थे।

वे सभी लोग बुद्धिमान नहीं थे, लेकिन भगवान की कृपा से, ये लोग जादूगर थे; वे एक बच्चे की पूजा करते थे। उस मामले में, एक घर में। यहाँ क्या हो रहा है? दुनिया के इतिहास में एक अनोखी घटना।

भगवान मनुष्य बन गए। क्यों? हम पापियों और हमारे उद्धार के लिए। जैसा कि धर्मग्रंथ कहते हैं, हम इन मामलों को अपने अगले व्याख्यान में आगे बढ़ाएँगे। लेकिन अभी के लिए, भगवान भला करे। श्लोक 1-18

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा क्राइस्टोलॉजी पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 10 है, सिस्टमैटिक्स, अवतार, यूहन्ना 1:1-18।